गोपाल राजू रुड़कवी
अ.प्र. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555

विभिन्न रत्न और आकृतियों में छिपा आपका भाग्य

रत्न-उपरत्न, धातुओं की विभिन्न आकृतियों की अंगूठी, पैन्डेन्ट, नथ, कुण्डल आदि सौन्दर्य आभूषण यदि यत्न से आप सौभाग्यशाली बना लेते हैं तो फिर बात ही क्या है। इस सबका चुनाव सरल, सर्वसुलभ और अनर्थ की आशंका से सर्वथा दूर है। सब जानते हैं कि आयुर्वेद के मतानुसार धातुओं में रोगनिवारण के चमत्कारिक गुण भी भरे हुए हैं। अनेक रोगों के निवारण में यह चमत्कारिक रुप से उपयोगी सिद्ध होता है। परन्तु अज्ञानतावश हम इन सबका अलौकिक सुख नहीं भोग पाते। इनके साथ-साथ इनमें प्रयुक्त विभिन्न धातुएं भी यदि आप अपने लिए चुन लेते हैं, तब तो सोने पर सुहागा है।

चिरन्तर से जीवन को सुन्दर बनाने के लिए ज्योतिष, अंकशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिक शास्त्र, फेंगशुई आदि गुह्य विधाओं के नियम विश्व स्तर पर समाज के लगभग प्रत्येक वर्ग में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रुप में अपनाए जाते हैं। यह बात अलग है कि प्रचार, मीडिया तथा बड़े-बड़े आकर्षक रंगीन बैनरों की चकाचौंध तले आज विषय को पूर्णतः व्यवसायिक बना दिया गया है। सबसे बड़ी विडम्बना यही है कि वास्तव में उपयोगी

शास्त्रोक्त ज्ञान साधन तो आज लुप्तप्राय हो रहा है। और रंग, रुप-सज्जा, वाह्य, आडम्बर, प्रचार आदि के माध्यम से इन सबका विकल्प काल्पनिक व्यवसाय का निरीह, अंकिचन अज्ञानता के मध्य खूब दोहन हो रहा है। अज्ञात अनहित भय की आशंका में अनन्तः लाभ तो वास्तव में व्यवसायी वर्ग ही उठा रहे न। बौद्धिकता से मनन करें कि इस उहापोह में विषयवस्तु का आप सर्वाधिक लाभ भी उठा पा रहे हैं?

आपको यदि अपनी जन्म तिथि ज्ञात है तब तो अच्छा है अन्यथा अपनी विवाह की तिथि अथवा नामांक से भी आप एक ऐसा अंक ज्ञात कर सकते हैं जो आपको अपने अनुरुप भाग्यशाली रत्न, धातु तथा विभिन्न आकृतियों वाले सौन्दर्य आभूषण आदि स्वयं चयन करने में उपयोगी सिद्ध होगा।

जन्म तिथि से सर्वप्रथम अपना भाग्यांक अर्थात् एक प्राथमिक अंक निकाल लें। जन्म की तारीख, माह तथा वर्ष के अंकों को तब तक जोड़ते रहें जब तक कि आपको प्राथमिक अंक न मिला जाए। यही आपका भाग्य का अंक है। और इसी के अनुरुप आपको भाग्यशाली सामग्री चयन करना है।

उदाहरण

जन्म की तारीख 8,

जन्म का महीना-नवम्बर (ग्यारहवां महीना)

जन्म का वर्ष 1985

यदि जन्म समय रात्रि के 12 बजे के बाद का है तब उससे अगली तारीख ही आपको चुननी है।

8+11+1985

8+1+1+1+9+8+5=33

3+3=6 (पुनः योग करने पर)

इस प्रकार प्राप्त प्राथमिक अंक 6 ही आपका भाग्यांक है।

इसी प्रकार विवाह की तिथि से भी प्राथमिक अंक प्राप्त किया जा सकता है। यदि ये दोनों उपलब्ध नहीं हैं तो अपने चलित नाम के नामांक को भी आप भाग्यांक मान कर लाभ उठा सकते हैं। नामांक भी आप सरलता से निकाल सकते हैं। प्रत्येक अक्षर का एक अंक सुनिश्चित है, इसे पहले समझ लेंः

निर्धारित अंक	अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर
1	A I J Q Y
2	B K R
3	C G L S
4	D M T
5	E H N X
6	U V W
7	O Z
8	F P

एक उदाहरण से आपको नाम निकालना पूर्णतया स्पष्ट हो जाएगा।

उदाहरण

G 3	R 2
O 7	A 1
P 8	J 1
A 1	U 6

L 3	
(योग) 22	10

22+10=32

3+2=5 (पुनः योग करने पर)

गोपाल राजू का नामांक 5 आया। इसको भी अपने प्रयोजन के लिए भाग्यशाली अंक समझ जा सकता है। निम्न लिखित सारणीयों से आप अपने लिए इस अंक के अनुरुप रत्न उपरत्न आदि को अपनी भाग्यशाली धातु में तदनुसार अलंकृत करवाकर चमत्कारिक रुप से लाभ उठा सकते हैं। यदि रत्न आप नहीं भी प्रयोग कर रहे हैं तब अनुरुप आकृति की अंगूठी, टॉप्स, पेन्डेन्ट आदि कुछ भी भाग्यशाली धातु में बनवाकर प्रयोग कर सकते हैं।

भाग्यशाली रत्न	
भाग्यांक	**सम्बन्धित रत्न-उपरत्न**
1, 9	लाल मूंगा, गोमेद, तामड़ा, माणिक्य
3, 6	पुखराज, गोमेद, बैरुज, मोती, हीरा
5	पन्ना, फिरोजा, पैरीडोट, मैलेकाइट, स्पीडोट
8	नीलम, नीली, बैरुज, फिरोजा, गोमेद, नीलवर्ण पुखराज
8	एक्सोलाइट, तामड़ा, कटैला
8	स्फटिक, हीमेटाइट, काला अक़ीक़
7 , 2	मोती, स्फटिक, लहसुनिया, अक़ीक़, स्पाइनल
4	गोमेद, हीरा, मोती, हेलोलाइट

2	स्फटिक, मोती, अंबर
3	पुखराज, स्पाइनल, बैरुज
4	गोमेद, स्पाइनल, फ्लोराइट
4, 3	चंद्रकांत, गोमेद, स्फटिक, पुखराज, हीरा, पैरीडॉट

भाग्यशाली धातु	
भाग्यांक	**धातु**
9, 1, 3	सोना
4, 2, 1, 5	चांदी
1, 9, 3	तांबा
8, 7	लोहा
4, 5 6, 7, 8	सीसा
6, 9	कलई
2, 5	जस्त
3, 7, 2	प्लेटिनम

भाग्यशाली आकृतियॉं	
भाग्यांक	**अंगूठी, पैन्डेट, ब्रोच आदि आकृतियॉं**
1	वृत्ताकार, गोलाकार, लंबवत, रेखायुक्त, छिद्रयुक्त, स्तम्भाकार
2	घुमावदार आकृतियॉं, फूलदान, कटोराकार, समानान्तर रेखायुक्त युग्माकृतियॉं
3	त्रिकोंणाकार, अंडाकार, त्रिआयामी

4	वर्गाकार, चतुर्भुजाकार, गुणक चिन्ह
5	नोकीली तथा परस्पर बिना जुड़ी, सन्धिकार
6	सुडोल, गोलाकार, मनोहर घुमावदार
7	अर्धचंद्राकार, हस्तकौशल सुसज्जित घुमावदार, नोकीली, सींग के आकार वाली
8	सर्पकार, लहरदार, अंग्रेजी का अक्षर 'S'
9	नोकीली, धारदार, माला, तीर, तलवार, चाकू, अग्नि जिह्वाकार

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com